a2zpapers.com

Exam. Code : 215501
Subject Code : 4126

M.A. Sanskrit Semester—I

PAPER : COURSE–II : OPTION-(i) : DRAMA

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :– प्रत्येक खंड से कम से कम **एक** प्रश्न चुनते हुए कुल **पांच** प्रश्न करें।

खण्ड–क

I. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :–

(क) आ परितोषाद विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्!
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्य प्रत्यय चेत:।।

(ख) तवास्मि गीतरागेण हारिणा प्रसभं हृत:।
एष राजेव दुष्यन्त: सारङ्गेणातिरंहसा।।

(ग) शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहु: कुत: फलमिहास्य!
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र:।।

(घ) क पौरवे वसुमतीं शासति शासितरि दुर्विनीतानाम्!
अयमाचरत्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यासु।। 20

II. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :–

(क) न खलु न खलु बाण: सन्निपात्योडयमस्मिन्, मृदुनी मृगशरीरे तूलराशाविवाग्नि:।
क्व बत हरिणकानां जीवितं चातिलोलं, क्व च निशितनिपाता वज्रसारा: शरास्ते।।

(ख) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृता: खलु गुणैरूद्यानलता वनलताभि:।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ग) मानुषीभ्यः कथं न स्यादस्य रूपस्य सम्भवः।
न प्रभातरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात।।

(घ) गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्थितं चेतः।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य।। 20

खण्ड–ख

III. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :–

(क) शमप्रधानेषु तपोवनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला अपि सूर्यकान्तास्ते ह्यन्यतेजोऽभिभवाद्हन्ति।।

(ख) यदुत्तिष्ठति वर्णेभ्यो नृपाणां क्षयि तद्धनम्।
तपः षड्भागमक्षय्यं ददत्यारण्यका हि नः।।

(ग) कृत्ययोर्भिन्नदेशत्वाद द्वैधीभवति मे मनः।
पुरः प्रतिहतं शैलैः स्रोतः स्रोतोवहां यथा।।

(घ) क्व वयं, क्व परोक्षमन्मथो, मृगशावैः सह वृद्धितो जनः।
परिहासविजल्पितं सखे। परमार्थेन न गृह्यतां वचः।।
20

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग करें :–

(क) जाने तपसो वीर्य्यं सा बाला परवतीति में विदितम्!
न च निम्नादिव सलिलं निवर्त्तते मे ततो हृदयम्।।

(ख) अयं स ते तिष्ठति सङ्गमोत्सुको, विशङ्कसे भीरू। यतौऽवधीरणाम्!
लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं, श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्।।

(ग) तव न जाने हृदयं मम पुनर्मदनो दिवाऽपि रात्रिमपि।
निष्कृप! तापयति बलीयस्तव हस्तमनोरथानि अङ्गांनि।।

(घ) पारिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य नः।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।। 20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

खण्ड—ग

V. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनामाविष्कतोऽरूणपुर: सर एकतोऽर्क:।

तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोपदयाभ्यां लोको नियम्यत इवैष दशान्तरेषु।।

(ख) दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुव:।

अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव।।

(ग) अनुमतगमना शकुन्तला तरूभिरियं बनवासबन्धुभि:।

परभृतविरूतं कल थत: प्रतिवचनीकृतमेभिरात्मन:।।

(घ) अर्थो हि कन्या परकीय एव, तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतु।

जातोऽस्मि सद्यो विशदान्तरात्मा, चिरस्य निक्षेपमिवार्पयित्वा।। 20

VI. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) प्रजा: प्रजा स्वा इव तन्त्रयित्वा, निषेवते श्रान्तमना विविक्तम्।

थूथानि सञ्चार्य रविप्रतप्त:, शीतं गुहास्थानमिव द्विपेन्द्र:।।

(ख) भवन्ति नम्रास्तरव: फलोदगमैर्नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घना:।

अनुद्धता: सत्पुरुषा: समृद्धिभि: स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

(ग) नापेक्षितो गुरुजन: अनया न त्वयापि पृष्टो बन्धु:।

एकैकस्य च चरिते भणतु किमेक एकस्मिन्।।

(घ) अत: परीक्ष्य कर्त्तव्य विशेषात् संगतं रह:।

अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम्।। 20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

खण्ड–घ

VII. निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दें :–

(क) द्वितीय अङ्क का सार लिखें।

(ख) अभिज्ञानशाकुन्तल में वर्णित रसों का वर्णन करें।

(ग) अभिज्ञानशाकुन्तल में वर्णित प्रकृति चित्रण का वर्णन करें।

(घ) उपमाकालिदासस्य सूक्ति से क्या तात्पर्य है ? अभिज्ञानशाकुन्तल नाटक के परिप्रेक्ष्य से वर्णन करें। 20

VIII. निम्नलिखित में से **दो** प्रश्न के उत्तर दें :–

(क) पञ्चम अङ्क का सार लिखें।

(ख) काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शाकुन्तला।
तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः तत्र श्लोकचतुष्टयम्।।
वाक्य को उदाहरण सहित वर्णित करें।

(ग) कालिदास का काव्य सौन्दर्य से क्या तात्पर्य है ? सविस्तार वर्णित करें।

(घ) अनसूया और प्रियंवदा का चरित्र-चित्रण लिखें। 20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab